CHETANA
International Journal of Education
Impact Factor
SJIF 2021 - 6.169
Peer Reviewed/
Refereed Journal
ISSN-Print-2231-3613
Online-2455-8729

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

Received on 25th Jan. 2022, Revised on 18th Feb. 2022, Accepted 15th Mar. 2022

शोध–आलेख

सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्य

* भावना शर्मा, *शोधार्थी*
डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव
शोध निर्देशक एवं सहायक–आचार्य
लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड–टू–बी विश्वविद्यालय) उदयपुर
Email ID: bs2201601@gmail.com, Mob.- 9352708970

मुख्य शब्द– *सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थाएँ, व्यावसायिक मूल्य आदि।*

शोध सारांश

शोधार्थी द्वारा पीएच.डी. स्तरीय शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्यों का अध्ययन करना था। न्यादर्श चयन हेतु शोधार्थी ने उदयपुर जिले के 100 शिक्षण संस्थाओं से कुल 400 कार्यरत महिलाओं का चयन किया। सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करते हुए स्वनिर्मित व्यावसायिक मूल्य मापनी द्वारा दत्तों का संकलन किया गया। संकलित दत्तों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण के माध्यम से किया गया था। शोध के निष्कर्षस्वरूप पाया गया कि सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्यों में सार्थक अन्तर होता है।

व्यावसायिक मूल्य के आयाम

- **व्यवहार मूल्य** :– शिक्षक को इन मूल्यों और संबंधित व्यवहार की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए, विद्यार्थियों को मूल्यों को संचारित करना चाहिए। शिक्षक व्यवहारिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। अच्छा व्यवहार जो सीखने को आसान बनाता है, अच्छे शिक्षण का मूल है। मूल्य शिक्षा को हमेशा नैतिक शिक्षा से जोड़ा गया है, माता–पिता, समुदायों और सरकार ने हमेशा स्कूलों से ऐसे छात्रों को विकसित करने की अपेक्षा की है जो समाज में योगदान देंगे।

- **समय की पाबंदी** :–एक आवश्यक कार्य को पूरा करने या पहले से निर्दिष्ट समय से पहले सभी पूर्ति और दायित्व को पूरा करने में सक्षम होने की विशेषता है: समय की पाबंदी को अक्सर "समय पर" के समानार्थक रूप से उपयोग किया जाता है। समय की पाबंदी या समय का मूल्य एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में काफी भिन्न होता है।

- **कर्तव्य के प्रति समर्पण :–** को दिए गए कार्य के उद्देश्य पर निर्भर करता है स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, "कर्तव्य के प्रति समर्पण भगवान की पूजा का सर्वोच्च रूप है।" किसी भी प्रकार के पेशे में भक्ति की आवश्यकता होती है बिना भक्ति के कोई भी बेहतर प्रदर्शन नहीं करता है। यदि एक शिक्षक पूरी तरह से पेशे के प्रति समर्पित है, तो वह अपने क्षेत्र के कौशल को आसानी से समझ सकता है।

- **शिक्षार्थी के लिए प्रेम :–** अच्छा शिक्षक वह है जो अच्छी तरह से पढ़ा सकता है, साथ ही साथ शिष्य के प्रति प्रेमपूर्ण रवैया रखता है और छात्र में रुचि लेता है और अपने माता–पिता को उनके गुणों और दोषों के बारे में रिपोर्ट कर सकता है। एक उत्साही शिक्षक जब भी आवश्यकता होती है छात्रों पर ध्यान देता है।

- **शिक्षण की आधुनिक तकनीक का ज्ञान :–** एक शिक्षक को अपने शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का ज्ञान होना चाहिए और साथ ही उनमें 'छात्रों की रुचि पैदा करना चाहिए ताकि आपकी शिक्षा का स्तर ऊपर उठ सके।वेब, प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम एकीकरण विचारों के साथ शिक्षण का उपयोग करके प्रौद्योगिकी वर्धित छात्र सीखने का वातावरण बनाना। विभेदित निर्देश के लिए प्रौद्योगिकी युक्तियाँ।

- **विषय की महारत** :– पहले विषय की महारत चुने हुए उद्देश्यों को निष्पादित करने की कुंजी है। विषय वस्तु की एक वैचारिक महारत और ज्ञान की आलोचना करने की क्षमता ही छात्रों को सशक्त बना सकती है। शिक्षक, विषय वस्तु में उसकी महारत, सीखने की प्रक्रियाओं के सूत्रधार के रूप में उसकी भूमिका, आयोजक और विद्वान/आजीवन सीखने वाला। पढ़ने की आदत– पठन सामग्री सूचना और ज्ञान की जानकारी, व्याख्या और विश्लेषण का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व है। लेकिन यह प्रासंगिक है कि शिक्षक उस सामग्री की सराहना करेगा जो शिक्षक की रुचि और समझ के स्तर के साथ–साथ पठन के अनुसार हो जो बच्चे के संज्ञानात्मक स्तर पर हो। लेखक जो व्यक्त करने का प्रयास कर रहा है उसके शाब्दिक और छिपे हुए अर्थ को समझने के लिए पढ़ना किसी की 'आंख' और 'दिमाग' का उपयोग करने की प्रक्रिया भी है।

- **पढ़ने की आदत** :– शिक्षाविद् एक अच्छी पढ़ने की आदत को चार चरणों पर आधारित मानते हैं 1. खोज करना 2 शब्दावली की जाँच करना 3.समझ के लिए विश्लेषण करना 4.समझ के लिए संश्लेषण करना। पाठ्यपुस्तक पढ़ना पढ़ने की आदत नहीं है। वास्तव में यह एक शौक के रूप में पढ़ना है जो कटौती करता है। मैं एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका से कुछ पंक्तियाँ उद्धृत करूँगा जो मेरे लिए पढ़ने की आदत का संक्षेप में वर्णन करती हैं। "पढ़ने की आदत व्यक्तिगत जांच और आत्म अध्ययन की कला है। इसके बाद आत्म–चिंतन और विश्लेषण किया जाएगा, और केवल इस तरह के स्वयं के अध्ययन से ही अच्छी पढ़ने की आदत विकसित हो सकती है।

- **शोध दृष्टिकोण** :– एक शिक्षक को विकसित करना चाहिए अनुसंधान दृष्टिकोण। शिक्षक को समय–समय पर अनुसंधान संगोष्ठी, कार्यशाला में भाग लेना चाहिए। दृष्टिकोण यह निर्धारित करता है कि प्रत्येक व्यक्ति क्या देखेगा, सुनेगा, सोचेगा और क्या करेगा। अनुसंधान दृष्टिकोण का अर्थ है किसी वस्तु के अनुकूल या प्रतिकूल प्रतिक्रिया देने के लिए व्यक्ति की प्रचलित प्रवृत्ति।

- **योजना और प्रबंधन** :– योजना का अर्थ है आगे देख रहे हैं और आगे की कार्रवाई के भविष्य के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने और चर्चा करने में सहायता के लिए संसाधनों का अन्वेषण करें। सही संसाधन होने पर सबसे कठिन चुनौतियां आसान हो जाती हैं।

- **प्रगतिशील दृष्टिकोण** :– एक शिक्षक को अतिरिक्त प्रगतिशील होना चाहिए और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण होना चाहिए। उसे मेहनती होना चाहिए और जाने और सीखने के लिए उत्साही होना चाहिए। उसके व्यापक और विविध हित होने चाहिए।

प्रगतिशील दृष्टिकोण समृद्ध होता है उसकी दक्षताओं। सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का विनम्र शिक्षण योग्य प्रगतिशील रवैया भी होगा।

- **आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास** :– हर व्यक्ति की शिक्षा में एक समय ऐसा आता है जब वह इस विश्वास पर पहुँच जाता है कि ईर्ष्या अज्ञान है। उसमें जो शक्ति वास करती है वह नई है प्रकृति, और कोई नहीं, लेकिन वह जानता है कि वह क्या कर सकता है, और न ही तब तक जानता है जब तक उसने कोशिश नहीं की। दुनिया में दुनिया की राय के बाद जीना आसान है; एकांत में अपने के बाद जीना आसान है; लेकिन महापुरुष वह है जो भीड़ के बीच एकांत की स्वतंत्रता को पूर्ण मधुरता के साथ रखता है। आत्मविश्वास को आम तौर पर निश्चित होने की स्थिति के रूप में वर्णित किया जाता है कि या तो एक परिकल्पना या भविष्यवाणी सही है या कार्रवाई का एक चुना हुआ तरीका सबसे अच्छा या सबसे प्रभावी है। आत्मविश्वास खुद पर भरोसा रखना है। इसलिए, आत्मविश्वास का प्रमुख तत्व किसी विशेष स्थिति के असंख्य परिणामों की स्वीकृति है, चाहे वे अच्छे हों या बुरे। जब कोई नकारात्मक परिणाम पर ध्यान नहीं देता है तो वह अधिक 'आत्मविश्वासी' हो सकता है क्योंकि वह विफलता के बारे में बहुत कम चिंता कर रहा है या (अधिक सटीक रूप से) संभावित विफलता के बाद दूसरों की अस्वीकृति।

- **तर्कसंगतता** :– कृत्रिम बुद्धि में तर्कसंगतता एक केंद्रीय सिद्धांत है। जहां एक तर्कसंगत एजेंट को विशेष रूप से एक एजेंट के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो हमेशा उस क्रिया को चुनता है, जो वर्तमान में उसके पास होने वाले अपेक्षित प्रदर्शन को अधिकतम करता है। एक तर्कसंगत वह है जो एक लक्ष्य और व्यक्ति या संगठनों को प्राप्त करने के संदर्भ में उपलब्ध जानकारी को देखते हुए इष्टतम है।

- **अच्छी व्यक्तिगत उपस्थिति** :– एक शिक्षक का सुव्यवस्थित व्यक्तित्व हमेशा छात्र को आकर्षित करता है। एक अच्छे दिखने वाले शिक्षक का बच्चे पर उत्कृष्ट मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। एक अच्छी उपस्थिति सभी मनुष्यों में दूसरों पर बढ़त देती है। हालांकि, महत्वाकांक्षी, उत्सुक, समर्पित व्यक्ति के लिए यह ड्रेस कोड ध्यान आकर्षित करने का एक अवसर प्रदान कर सकता है। स्मार्ट, अच्छी तरह से फिट होने वाले अच्छी तरह से दबाए गए कपड़े किसी को कैसे आंकते हैं, इस पर बहुत फर्क पड़ता है।

- **हास्यवृति** :– हास्य अपने आप में शिक्षण में एक बड़ा जोड़ है। एक शिक्षक कक्षा में तनाव और तनाव को कम कर सकता है और हास्य की मदद से कई गंभीर परिस्थितियों को टाला जा सकता है। एक शिक्षक में हास्य की सराहना करने और उसे व्यक्त करने में सक्षम होने का गुण होना चाहिए। एक अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर फायदेमंद साबित हो सकता है।

उद्देश्य

- सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्यों का अध्ययन करना।
- निजी शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्यों का अध्ययन करना।
- सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

प्राकल्पना

- सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

विधिशास्त्र

- सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्यों के लिए **सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।**

- प्रस्तुत अनुसंधान कार्य में न्यादर्श चयन करने हेतु उदयपुर जिले की शिक्षण संस्थाओं के नामों को कागज की पर्ची पर लिखकर **लॉटरी विधि** द्वारा उदयपुर जिले की कुल 100 शिक्षण संस्थाओं का चयन किया गया जिसमें 50 सरकारी शिक्षण संस्था एवं 50 निजी शिक्षण संस्थाओं का चयन किया गया। 100 शिक्षण संस्थाओं से कुल 400 कार्यरत महिलाओं का चयन किया गया।
- दत्तों के संकलन हेतु **स्वनिर्मित व्यावसायिक मूल्य मापनी** का प्रयोग किया गया।
- आंकड़ों के संकलन के पश्चात् उनका विश्लेषण करने हेतु सांख्यिकी प्रविधि मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया।

परिणाम एवं विवेचना

सारणी संख्या 1

सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के व्यावसायिक मूल्यों का तुलनात्मक विश्लेषण

क्र. सं.	आयाम	मध्यमान		मानक विचलन		टी–मान	सार्थकता स्तर
		सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ	निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ	सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ	निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ		
1.	व्यवहार मूल्य	15.18	12.95	5.77	5.68	4.49	.01 स्तर पर
2.	समय की पाबन्दी	23.14	20.10	4.84	5.42	6.40	.01 स्तर पर
3.	कर्तव्य के प्रति समर्पण	16.49	12.12	2.47	4.14	11.47	.01 स्तर पर
4	शिक्षार्थी के लिए प्रेम	25.40	20.97	12.35	10.76	6.25	.01 स्तर पर
5	शिक्षण की आधुनिक तकनीक का ज्ञान	22.73	21.36	8.77	12.14	2.03	0.05 स्तर पर
6	विषय की महारत	22.12	20.37	9.20	9.14	2.76	.01 स्तर पर
7	पढ़ने की आदत	15.76	12.57	2.74	5.54	7.54	.01 स्तर पर
8	अनुसंधान दृष्टिकोण	23.88	22.01	6.64	10.10	3.10	.01 स्तर पर
9	योजना और प्रबंधन	22.27	19.07	5.97	9.68	5.64	.01 स्तर पर
10	प्रगतिशील रवैया	15.66	15.55	6.40	8.51	0.26	असार्थक

11	आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास	17.81	17.54	10.79	11.14	0.39	असार्थक
12	तर्कसंगतता	10.40	9.35	2.33	3.02	2.97	.01 स्तर पर
13	अच्छी व्यक्तिगत उपस्थिति	11.64	10.22	2.23	2.67	4.45	.01 स्तर पर
14	हास्य वृत्ति	16.53	11.75	2.19	2.02	10.12	.01 स्तर पर
15	भावनात्मक स्थिरता	13.10	13.70	7.32	9.55	1.12	असार्थक
16.	अच्छा सामाजिक व्यवहार	16.95	13.20	2.22	9.12	7.56	.01 स्तर पर

स्वतंत्रता के अंश (df =398)

0.05 स्तर का सारणीमान = 1.97

0.01 स्तर का सारणीमान = 2.60

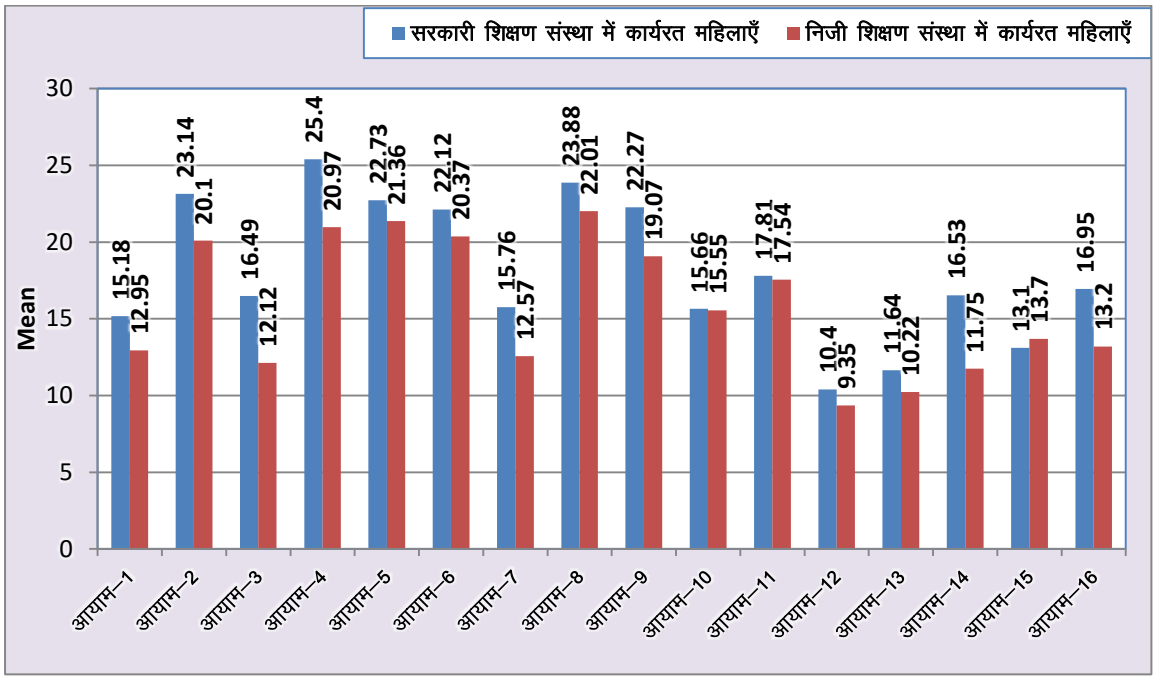

क्षेत्रवार विश्लेषण

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **व्यवहार मूल्य** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 15.18, 12.95 व 5.77, 5.68 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 4.49 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **व्यवहार मूल्य** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **समय की पाबन्दी** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 23.14, 20.10 व 4.84, 5.42 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 6.40 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में

कार्यरत महिलाएँ **समय की पाबन्दी** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **कर्तव्य के प्रति समर्पण** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 16.49, 12.12 व 2.47, 4.14 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 11.47 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **कर्तव्य के प्रति समर्पण** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **शिक्षार्थी के लिए प्रेम** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 25.40, 20.97 व 12.35, 10.76 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 6.25 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **शिक्षार्थी के लिए प्रेम** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **शिक्षण की आधुनिक तकनीक का ज्ञान** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 22.73, 21.36 व 8.77, 12.14 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 2.03 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.05 स्तर के सारणीमान 1.97 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **शिक्षण की आधुनिक तकनीक का ज्ञान** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **विषय की महारत** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 22.12, 20.37 व 9.20, 9.14 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 2.76 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **विषय की महारत** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **पढ़ने की आदत** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 15.76, 12.57 व 2.74, 5.54 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 7.54 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **पढ़ने की आदत** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **अनुसंधान दृष्टिकोण** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 23.88, 22.01 व 6.64, 10.10 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 3.10 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **अनुसंधान दृष्टिकोण** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **योजना और प्रबंधन** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 22.27, 19.07 व 5.97, 9.68 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 5.64 प्राप्त

हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **योजना और प्रबंधन** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **प्रगतिशील रवैया** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 15.66, 15.55 व 6.40, 8.51 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 0.26 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.05 स्तर के सारणीमान 1.97 से कम हैं। अतः सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **प्रगतिशील रवैया** के संदर्भ समान रूप से जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 17.81, 17.54 व 10.79, 11.14 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 0.39 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.05 स्तर के सारणीमान 1.97 से कम हैं। अतः सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास** के संदर्भ समान रूप से जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **तर्कसंगतता** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 10.40, 9.35 व 2.33, 3.02 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 2.97 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **तर्कसंगतता** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **अच्छी व्यक्तिगत उपस्थिति** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 11.64, 10.22 व 2.23, 2.67 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 4.45 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **अच्छी व्यक्तिगत उपस्थिति** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **हास्य वृत्ति** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 16.53, 11.75 व 2.19, 2.02 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 10.12 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **हास्य वृत्ति** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **भावनात्मक स्थिरता** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 13.10, 13.70 व 7.32, 9.55 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 1.12 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.05 स्तर के सारणीमान 1.97 से कम हैं। अतः सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **भावनात्मक स्थिरता** के संदर्भ समान रूप से जागरूक है।

- व्यावसायिक मूल्य मापनी के आयाम **अच्छा सामाजिक व्यवहार** पर सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं के प्राप्तांकों का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रमशः 16.95, 13.20 व 2.22, 9.12 प्राप्त हुए। इस क्षेत्र हेतु टी–मान 7.56 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंश 398 के 0.01 स्तर के सारणीमान 2.60 से अधिक हैं। अतः सरकारी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ **अच्छा सामाजिक व्यवहार** के संदर्भ निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाओं की अपेक्षा अधिक जागरूक है।

वर्तमान में प्रासंगिकता

इस शोध आलेख के माध्यम से सरकारी व निजी शिक्षण संस्था में कार्यरत महिलाएँ व्यावसायिक मूल्यों की अवधारणा को समझते हुए अपने व्यावसायिक में उन्नयन कर सकते है।

सन्दर्भ

Allport, G.W. et al. (1931) : "Study of Values", Houghton Mifflin Co., Boston.

Allport, C.W., Vernon, P.E., & Lindrey, G. (1931-1960) : "A Study of values", Boston Houghton, Miffin.

Best, J.W. (1963) : "Research in Education" Prentice Hall of India, New Delhi.

Borg, W.R. Or Gallm (1973) : "Education Research An Introduction" Longmen Research, New Delhi.

Gupta, Dr. N.L. (1992) : "A Search for Human Values".

Gupta, Dr. N.L. (1992) : "Creativity and Values Education Perspectives".

Verma, Yogindar (2007) : "Education Human Values for Human Excellenence".

Singha, Madhuri; Yunus, Sabiha (2000) : "Values and Personality Disposition of University Teachers.

Bagheeayalle, Mrs. Saroj : "The Cultural Values of Adolescents".

Harding, D.W. (1963) : "Social Psychology and Individual Values".

गोलवलकर, डॉ. श्रीमती शोभा; भाटी, श्रीमती सीमा सिंह : ''मूल्य शिक्षा''।

**** Corresponding Author***
भावना शर्मा, *शोधार्थी*
डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव
शोध निर्देशक एवं सहायक–आचार्य
लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड–टू–बी विश्वविद्यालय) उदयपुर
Email ID: bs2201601@gmail.com, Mob.- 9352708970